



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 217]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 7, 1990/ज्येष्ठ 17, 1912

No. 217]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 7, 1990/JYAISTHA 17, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

रेल प्रवास्य

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जून, 1990

रेल बुर्सेटन (प्रतिकर) नियम, 1990

सा.का.नि. 552 (अ):—केन्द्रीय सरकार, साधारण खंड अधि-  
नियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 के साथ परित रेल  
अधिनियम, 1989 (1989 का 24) की धारा 129 द्वारा प्रदत्त  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए और रेल बुर्सेटन (प्रतिकर) नियम, 1989  
को अधिकांश करते हुए, निम्नलिखित बातों की कम्पन जिन्हें ऐसे अधि-  
करण से पूरे किया गया है या करने का खोप किया गया है, निम्न-  
लिखित नियम-बनती है, अर्थात्:—

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त  
नाम रेल बुर्सेटन (प्रतिकर) नियम, 1990 है।

(2) ये, अधिनियम के प्रारंभ की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा  
अपेक्षित न हो:—

1496 GI/90

(क) "बुर्सेटन" से अधिनियम की धारा 124 में वर्णित प्रकृति की  
बुर्सेटन अभिप्रेत है।

(ख) "अधिनियम" से रेल अधिनियम, (1989) (1989 का 24)  
अभिप्रेत है।

(ग) "अधिकरण" से रेल बोर्ड अधिकांश अधिनियम, 1987  
(1987 का 54) की धारा 3 के अधीन स्थापित रेल बोर्ड  
अधिकरण अभिप्रेत है।

(घ) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है, और

(ङ) उन शब्दों और पदों के जो इसमें प्रयुक्त हैं और परि-  
भाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

प्रतिकर के लिए दावे

3. प्रतिकर की रकम:—(1) मृत्यु या क्षति की बाबत संदेय  
प्रतिकर की रकम वह होगी जो अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।

(2) किसी ऐसी क्षति के लिए जो अनुसूची के भाग 2 या भाग  
3 में विनिर्दिष्ट नहीं है किन्तु जो बोर्ड अधिकांश अधिनियम की धारा में ऐसी है  
जिसमें कोई व्यक्ति किसी कार्य को न करने की समी क्षमता से क्षति  
हो जाता है, संदेय प्रतिकर की रकम दो लाख रुपये होगी।

(1)

3. रेल प्रशासन का वार्षिक बायिल्वः—(1) जहाँ कोई रेल प्रशासन किसी परेषण की हानि, नुकसान, नाश क्षय या अपरिधान के लिए उत्तरदायी है वहाँ ऐसी हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिधान के संबंध में ऐसे रेल प्रशासन के बायिल्व की रकम, जब तक कि प्रेषक ने उसके मूल्य को घोषित न किया हो और ऐसे परेषण के घनिष्ठः मूल्य पर प्रतिशत प्रभार संवत् न किए हों।

(i) किसी ऐसे परेषण की वशा में जिसमें जीवजन्तु हैं, अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट रकम से; या

(ii) किसी ऐसे परेषण की वशा में जिसमें यात्री सामान है तो स्पष्ट प्रति किलोग्राम की दर से परिणित रकम से; या

(iii) उपर खण्ड (i) और (ii) में निश्चित से भिन्न किसी परेषण की वशा में पचास स्पष्ट प्रति किलोग्राम की दर से परिणित रकम से,

अधिक नहीं होगी।

(2) जहाँ कोई रेल प्रशासन किसी परेषण की हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिधान के लिए उत्तरदायी है और परेषक ने बहुत के लिए सौध जाने के समय ऐसे परेषण का मूल्य घोषित किया है और अनुसूची 2 के यथास्थिति भाग 1 या भाग 2 में विनिर्दिष्ट दर पर प्रतिरिक्त मूल्य पर प्रतिशत प्रभार संवत् किया है, वहाँ ऐसे परेषण की हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिधान के लिए किसी रेल प्रशासन के बायिल्व की रकम इस प्रकार घोषित मूल्य से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण 1

जहाँ किसी परेषण के बहुत के संबंध में माना उसके वास्तविक वजन से अन्यथा किसी आधार पर प्रसार्य हैं वहाँ किसी रेल प्रशासन के बायिल्व की रकम का अवधारण ऐसे परेषण के वास्तविक वजन के प्रति निर्देश से किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2

जहाँ हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिधान किसी परेषण के केवल भाग के संबंध में हैं वहाँ किसी रेल प्रशासन के बायिल्व की रकम का अवधारण करने के लिए, विचारणीय लिया जाने वाला वजन लो गए, नुकसानग्रस्त, नष्ट हुए, क्षय हुए या अपरिक्त मान का वजन होगा जब तक कि ऐसी हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिधान से सम्पूर्ण परेषण के मूल्य पर प्रभाव न पड़ता हो।

4. बहुत के लिए क्षतिग्रस्त माल का तब तक स्वीकार न किया जाय जब तक कि प्रतिशत प्रभार का संवाय न कर दिया गया हो :— कोई रेल प्रशासन अनुसूची 2 के भाग 1 में विनिर्दिष्ट मान को बहुत के लिए तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि एक परेषक से ऐसे माल के मूल्य की घोषणा नहीं करता है और अनुसूची 2 के स्तम्भ 2 में वर्णित रूप में ऐसे माल को मान् प्रतिशत प्रभार का संवाय नहीं करता है।

[सं. 49/डी सी III/1/6/प्रार 5-39 धार/103]

एत. के मासिक संयुक्त निर्देशक  
(प्रार 5 धारा) (रेलवे बोर्ड)

अनुसूची 1

जीव जन्तुओं का वर्णन	रेल प्रशासन के उत्तरदायित्व का विस्तार (रुपयों में)
हाथी	6,000
घोड़े,	3,000
खरबुर, सींगदार पशु या ऊँट	800
कुत्ते, गधे, बकरियाँ, सूअर, भैंस या अन्य ऐसे पशु जो उपर वर्णित नहीं हैं या चिह्नित	120

अनुसूची 2

मान का विवरण	प्रतिशत प्रभार की दर
भाग-1	
1	2
1. गोना	प्रतिरिक्त मूल्य के अधिकतम
2. चाली	1 प्रतिशत के अधीन रहते हुए
3. मोती	प्रति 160 किलोमीटर या उसके
4. बहुमूल्य रत्न	भाग के लिए प्रतिरिक्त
5. धातुवर्ण	मूल्य पर प्रति 100 स्पष्ट या
6. करंसी नोट और चिक्के	उसके भाग के लिए 13 पैसे
7. सरकारी स्टाम्प	

भाग-2

भाग 1 में विनिर्दिष्ट से अन्यथा	मान प्रतिरिक्त मूल्य के अधिकतम
	1 प्रतिशत के अधीन रहते हुए प्रति 160 किलोमीटर या उसके भाग के लिए प्रतिरिक्त
	मूल्य पर प्रति 100 स्पष्ट या उसके भाग के लिए 13 पैसे।

## MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 7th June, 1990

### RAILWAYS (EXTENT OF MONETARY LIABILITY AND PRESCRIPTION OF PERCENTAGE CHARGE) RULES, 1990

G.S.R. 557(E) :—In exercise of powers conferred by sub-section (1) and clause (c) of sub-section (2) of section 112 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) read with section 2 of the General Clauses Act, 1987 (10 of 1987), the Central Government hereby makes the following Rules namely :

1. Short Title and Commencement :—(1) These rules may be called the Railways (Extent of Monetary Liability and Prescription of Percentage Charge) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of commencement of the Act.

2. Definitions :—In these Rules unless the context otherwise requires :

(a) "Act" means the Railways Act, 1989 (24 of 1989).

(32) शैली का अस्थि-संग जिसके संग्रहित न हो

(33) बड़ी हड्डी कीमर हीबिवा का एक संग्रहित

अस्थि-संग

20,000

(34) बड़ी हड्डी ह्युमरस केबल अस्थि के एक संग्रहित

अस्थि-संग

10,000

[सं. 52/डी बी-11/1024/23 नई धारण]

एस.के. मलिक संयुक्त, निदेशक (धारण)

आर.)

(नये बोर्ड)

## MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 7th June, 1990

### RAILWAY ACCIDENTS (COMPENSATION) RULES, 1990

G.S.R. 552 (E):—In exercise of the powers conferred by section 129 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) read with section 22 of the General Clauses Act (10 of 1897) and in supersession of the Railway Accidents (Compensation) Rules, 1989 except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules namely:

#### PRELIMINARY

1. Short-title and Commencement: (1) These rules may be called the Railway Accidents (Compensation) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of commencement of the Act.

2. Definitions: In these rules, unless the context otherwise requires:

(a) "accident" means an accident of the nature described in section 124 of the Act;

(b) 'Act' means the Railways Act, 1989 (24 of 1989);

(c) "Claims Tribunal" means the Railway Claims Tribunal established under section 3 of the Railway Claims Tribunal Act, 1987 (54 of 1987);

(d) "Schedule" means the schedule to these rules; and

(e) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act;

## CLAIMS FOR COMPENSATION

3. Amount of Compensation: (1) The amount of compensation payable in respect of death for injuries, shall be as specified in the Schedule.

(2) The amount of compensation payable for an injury not specified in Part II or Part III of the Schedule but which, in the opinion of the Claims Tribunal is such as to deprive a person of all capacity to do any work, shall be rupees two lakhs.

(3) The amount of compensation payable in respect of any injury (other than an injury specified in the Schedule or referred to in sub-rule (2) resulting in pain and suffering, shall be such as the Claims Tribunal may after taking into consideration medical evidence, besides other circumstances of the case, determine to be reasonable;

Provided that if more than one injury is caused by the same accident, compensation shall be payable in respect of each such injury;

Provided further that the total compensation in respect of all such injuries shall not exceed rupees forty thousand.

(4) Where compensation has been paid for any injury which is less than the amount which would have been payable as compensation if the injured person had died and the person subsequently dies as a result of the injury, a further compensation equal to the difference between the amount payable for death and the already paid shall become payable.

(5) Compensation for loss, destruction or deterioration of goods or animals shall be paid to such extent as the Claims Tribunal may, in all the circumstances of the case, determine to be reasonable

4. Limit of Compensation: Notwithstanding any thing contained in rule 3, the total compensation payable under that rule shall in no case exceed rupees two lakh in respect of any one person.

#### SCHEDULE

(See Rule 3)

#### COMPENSATION PAYABLE FOR DEATH AND INJURIES

Amount of compensation  
(in Rs.)

##### PART I

For death 2,00,000

##### PART II

(1) For loss of both hands or amputation at higher sites 2,00,000

(2) For loss of hand and foot	2,00,000	(15) For amputation of hip	1,50,000
(3) For double amputation through leg or thigh or amputation through leg or thigh on one side and loss of other foot.	2,00,000	(17) For amputation below hip with stump not exceeding 5" in length measured from hip of great trochanter	1,60,000
(4) For loss of sight to such an extent as to render the claimant unable to perform any work for which eye sight is essential	2,00,000	(18) For amputation below hip with stump exceeding 5" in length measured from tip of great trochanter but not beyond middle thigh	1,40,000
(5) For very severe facial disfigurement	2,00,000	(19) For amputation below middle thigh to $3\frac{1}{2}$ " below knee	1,20,000
(6) For absolute deafness	2,00,000	(20) For amputation below knee with stump exceeding $3\frac{1}{2}$ " but not exceeding 5"	1,00,000
<b>PART III</b>			
(i) For amputation through shoulder joint	1,80,000	(21) Fracture of Spine with Paraplegia	1,00,000
(2) For amputation below shoulder with stump less than 8" from tip of acromion	1,60,000	(22) For amputation below knee with stump exceeding 5"	80,000
(3) For amputation from 8" from tip of acromion to less than $4\frac{1}{2}$ " below tip of olecranon	1,40,000	(23) For loss of one eye without complications the other being normal	80,000
(4) For loss of a hand or the thumb and four fingers of one hand or amputation from $4\frac{1}{2}$ " below tip of olecranon	1,20,000	(24) For amputation of one foot resulting in end-bearing	60,000
(5) For loss of thumb	60,000	(25) For amputation through one foot proximal to the metatarso-phalangeal joint	60,000
(6) For loss of thumb and its metacarpal bone	80,000	(26) Fracture of Spine without paraplegia	60,000
(7) For loss of four fingers of one hand	1,00,000	(27) For loss of vision of one eye without complications of disfigurement of eye ball, the other being normal	60,000
(8) For loss of three fingers of one hand	60,000	(28) For loss of all toes of one foot through the metatarso-phalangeal joint	40,000
(9) For loss of two fingers of one hand	40,000	(29) Fracture of Hip-joint	40,000
(10) For loss of terminal phalanx of thumb	40,000	(30) Fracture of Major Bone Femur Tibia Both limbs	40,000
(11) For amputation of both feet resulting in end bearing stumps	1,80,000	(31) Fracture of Major Bone Humerus Radius Both limbs	30,000
(12) For amputation through both feet proximal to the metatarsophalangeal joint	1,60,000	(32) Fracture of Pelvis not involving joint	20,000
(13) For loss of all toes of both feet through the metatarso-phalangeal joint	80,000	(33) Fracture of Major Bone Femur Tibia One limb	20,000
(14) For loss of all toes of both feet proximal to the proximal inter-phalangeal joint	60,000	(34) Fracture of Major Bone Humerus Radius Ulna One limb	16,000
(15) For loss of all toes of both feet distal to the proximal inter-phalangeal joint	40,000		

[No.82/TGII/1026/22/IRA]

S.K. MALIK, Jr. Director (RAR)

(Railway Board)